भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
19.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3165 का उत्तर

चंदौली, उत्तर प्रदेश के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना

3165. श्री वीरेन्द्र सिंह:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमृत भारत स्टेशन योजना (ए.बी.एस.एस.) के अंतर्गत कितने रेलवे स्टेशनों का उन्नयन किया जा रहा है तथा इस संबंध में कितना बजट आवंटित किया गया है;
(ख) उत्तर प्रदेश के चंदौली जिला मुख्यालय के मझवार स्टेशन हेतु ए.बी.एस.एस. के अंतर्गत कितना बजट आवंटित किया गया है;
(ग) इसके विस्तार के लिए क्या कार्य किए जाने हैं तथा इनके कब तक पूरा होने की संभावना है;
(घ) क्या उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में पंडित दीन दयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन (पी.डी.डी.यू.आर.एस., मुगलसराय) से हावड़ा वाया पटना मार्ग पर धीना स्टेशन के निकट आर.ओ.बी. बनाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या इसी मार्ग पर कुचामन रेलवे क्रॉसिंग पर आर.ओ.बी. के निर्माण के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(च) क्या सरकार के पास पी.डी.डी.यू.आर.एस. के सौंदर्यीकरण एवं विस्तार की कोई योजना है; और
(छ) यदि हां, तो इसके विस्तार के लिए आवंटित भूमि का क्षेत्रफल कितना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (छ): उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित चंदौली मझवार रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिन्हित किया गया है। इस स्टेशन पर विकास कार्यों के

लिए निविदाएं दी जा चुकी हैं तथा स्टेशन भवन का विस्तार, नए पैदल पार पथ का निर्माण, अतिरिक्त प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म का विस्तार, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, शौचालय आदि का सुधार आदि कार्य शुरू किए जा चुके हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन रेलवे स्टेशन की पहचान की गई है। इस योजना के तहत इस स्टेशन के विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। यह एक पुनरावृत्तीय प्रक्रिया है जिसके लिए इष्टतमीकरण की आवश्यकता है और इस स्तर पर इस तरह के इष्टतमीकरण के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशन पहुंच, परिचलन क्षेत्रों, प्रतीक्षालयों, शौचालयों, में सुधार कार्य, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोर के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए

सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है जिनमें से 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित हैं। उत्तर प्रदेश राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:-

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग, अकबरपुर जंक्शन, अलीगढ, अमेठी, अमरोहा, आनंद नगर, आंवला, अयोध्या धाम, आज़मगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदायूँ, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेड़ी, बहराइच, बलिया, बालामऊ, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जंक्शन, बरेली जं., बरेली सिटी, बढ़नी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर, बुलन्दशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकूट धाम कर्वी, चोपन, चुनार जं., डालीगंज, दर्शननगर, देवरिया सदर, धामपुर, दिलदारनगर, इटावा जं., फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फ़तेहपुर, फ़तेहपुर सीकरी, फ़िरोज़ाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, गौरीगंज, घाटमपुर, ग़ाज़ियाबाद, ग़ाज़ीपुर सिटी, गोला गोकरननाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह, इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर जंक्शन, कन्नौज,

		कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज, कासगंज, काशी, खलीलाबाद, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, खोरसनरोड, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर, लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग एवं जंक्शन), लखनऊ सिटी, मगहर, महोबा, मैलानी, मैनपुरी जं., मल्हौर जं., मानकनगर जं., मानिकपुर जं., मरियाहू, मथुरा, मऊ, मेरठ सिटी, मिर्ज़ापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, नगीना, नजीबाबाद जं., निहालगढ़, उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जं., फूलपुर, पीलीभीत, पोखरायां, प्रतापगढ़ जंक्शन, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, रायबरेली जं., राजा की मंडी, रामघाट हॉल्ट, रामपुर, रेनुकूट, सहारनपुर जं., सलेमपुर, स्योहारा, शाहगंज जं., शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद जं., शिवपुर, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर जं., सोनभद्र, श्री कृष्णा नगर, सुल्तानपुर जं., सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, तकिया, तुलसीपुर, टूंडला जं., उझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जं., उतरेटिया जं., वाराणसी कैंट. वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई, व्यासनगर, जाफराबाद.

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के तहत स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य को सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत 12,994 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान) का आवंटन किया गया है। योजना शीर्ष-53 के तहत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार अथवा स्टेशन-वार। उत्तर प्रदेश राज्य पांच जोन अर्थात पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और

पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत शामिल है। इन जोनों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत 4,188 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान) का आबंटन किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए अग्नि संबंधी मंजूरी, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ और उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्यों के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। अत: इस समय कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

पटना-दीन दयाल उपाध्याय खंड में धीना और तुलसी आश्रम के बीच कि.मी. 725/15-17 पर सबवे को मंजूरी दे दी गई है। विस्तृत अनुमान स्वीकृत कर दिया गया है और ठेका प्रदान कर दिया गया है।

दानापुर मंडल के कुचामन यार्ड में किमी 744/27-29 पर समपार संख्या 105/ए/टी के स्थान पर उपरी सड़क पुल का निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है। यह कार्य रेलवे द्वारा एकल इकाई आधार पर किया गया है। संरेखण योजना को अंतिम रूप देने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

ऊपरी सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों का पूरा होना और उन्हें कमीशन करना समपार को बंद करने के लिए सहमति देने में राज्य सरकार का सहयोग, पहुंच मार्गों के संरेखण

तय करना, सामान्य आरेखण व्यवस्था का अनुमोदन, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, परियोजना क्षेत्र/कार्य स्थलों में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण विशेष परियोजना/क्षेत्र के लिए एक वर्ष में कार्य की अवधि आदि जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना/कार्यों को पूरा करने के समय को प्रभावित करते हैं।

*****